वाक्य

ध्वनियों से शब्द तथा पद बनते हैं और पदों से वाक्य बनते हैं। कोष तथा वैयाकरण उनकी वाक्य के बारे में जो धारणा है उसी धारणा से' सार्थक शब्दों का समूह' वाक्य मानते हैं तो कुछ विद्वान' वह सार्थक शब्दों का समूह जो भावों को व्यक्त करने की दृष्टि से अपने आप में समर्थ हो।

1] पतंजलि – भारत में सबसे पहले पतंजलि ने वाक्य की परिभाषा स्पष्ट की है। उनका कहना है कि- " पूर्ण अर्थ की प्रकृति कराने वाले शब्द समूह को वाक्य कहा जाता है।

2] माधव प्रसाद पाठक – वक्ता और श्रोता के बीच संप्रेषण इयत्ता को प्रमुखता देते हुए पाठक जी वाक्य की परिभाषा इस प्रकार देते हैं – " वाक्य उस पद समूह को कहते हैं, जो श्रोता के प्रति वक्ता के वक्तव्य भाव के बोधन में समर्थ हो।

3] कामता प्रसाद गुरु – " एक पूर्ण विचार व्यक्त करने वाला शब्द समूह वाक्य कहलाता है। "

वाक्य के प्रकार

- रचना के आधार पर
  - सरल
  - मिश्र
  - संयुक्त
- अर्थ / भावों के आधार पर
  - विधानार्थक
  - निषेधार्थक
  - आज्ञार्थक
  - प्रश्नार्थक
  - विस्मयार्थक
  - संदेहार्थक
  - संकेतार्थक
  - इच्छार्थक

रचना के आधार पर वाक्य का वर्गीकरण

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद किए जाते हैं –

1] सरल वाक्य – सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है।
जैसे – राम स्कूल जाता है।
इस वाक्य में ' राम' उद्देश्य है और ' स्कूल जाता है' विधेय है।

2] मिश्र वाक्य – जब वाक्य में एक प्रधान वाक्य तथा शेष उपवाक्य उस प्रधान वाक्य पर आश्रित हो तो वही मिश्र वाक्य होता है।
जैसे – राम ने कहा कि तुम जाओ।
मैं चाहता हूं कि तुम डॉक्टर बनो।

3] संयुक्त वाक्य – जिस वाक्य में एक प्रधान वाक्य और कम से कम एक समानाधिकरण वाक्य होता है उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। संयुक्त वाक्य में उपवाक्य भी हो सकते हैं। दो वाक्यों को और, एवं, तथा, किंतु, परंतु, अतः, फिर भी, लेकिन इत्यादि शब्दों से जोड़ा जाता है।
जैसे – राम सुबह गया <u>और</u> शाम को लौट आया।
नर्मदा नदी काफी बड़ी है <u>तथा</u> वर्ष भर पानी से भरी रहती है।

By Dr. Sangita Chitrakoti

मैं समझ गई कि यह इशारा इजाजत का है।

भाव या अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

1] विधानार्थक वाक्य – इसमें सामान्य कथन होता है।
जैसे – राम जाता है।
सीता पत्र लिखती है।
लड़का खाना खाएगा।

2] निषेधार्थक वाक्य – इसमें क्रिया के निषेध की सूचना मिलती है।
जैसे -- राम स्कूल नहीं जाता।
सीता पत्र नहीं लिखते।
शुभम रोटी नहीं खाता।

3] आज्ञार्थक वाक्य – जिस वाक्य से आज्ञा, प्रार्थना आदि का बोध हो उसे आज्ञार्थक वाक्य कहते हैं।
जैसे – तुम स्कूल जाओ।
सत्य बोलो।
राम पढ़ाई करो।

4] प्रश्नार्थक वाक्य – जिस वाक्य में प्रश्न पूछा जाए उसे प्रश्नार्थक वाक्य कहते हैं।
जैसे – तुम्हारा घर कहां है?
तुम्हारा नाम क्या है?
राम पढ़ाई करो?

5] विस्मयार्थक वाक्य – जिस वाक्य से उद्गारवाचक भाव प्रकट हो उसेक विस्मयार्थक वाक्य कहते हैं। इसमें हर्ष,
विषाद, आश्चर्य,आदि का भाव सूचित होता है।
जैसे – वाह! क्या सुंदर दृश्य है।
अरे! तुम आज ही आ गए।

6] संदेहार्थक वाक्य – इस वाक्य में क्रिया के होने में संदेह का बोध होता है।
जैसे – वह स्कूल गया होगा।
शायद आज बारिश होगी।
शीशा शायद उसी ने तोड़ा हो।

7] इच्छार्थक वाक्य – जिस वाक्य में कामना, इच्छा आदि का भाव प्रकट होता है उसे इच्छा तक वाक्य कहते हैं।
जैसे – ईश्वर तुम्हारी रक्षा करें।
प्रभु तुम्हें सद्बुद्धि दे।
तुम्हारी जय हो।

8] संकेतार्थक वाक्य – जिससे संकेत अर्थात शर्त पाई जाती है।
जैसे – आप चाहे तो मैं जाऊं।
पानी न बरसता तो धान सूख जाता।

By Dr. Sangita Chitrakoti